जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 14 प्रभात अजमेर, सोमवार 12 अगस्त, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

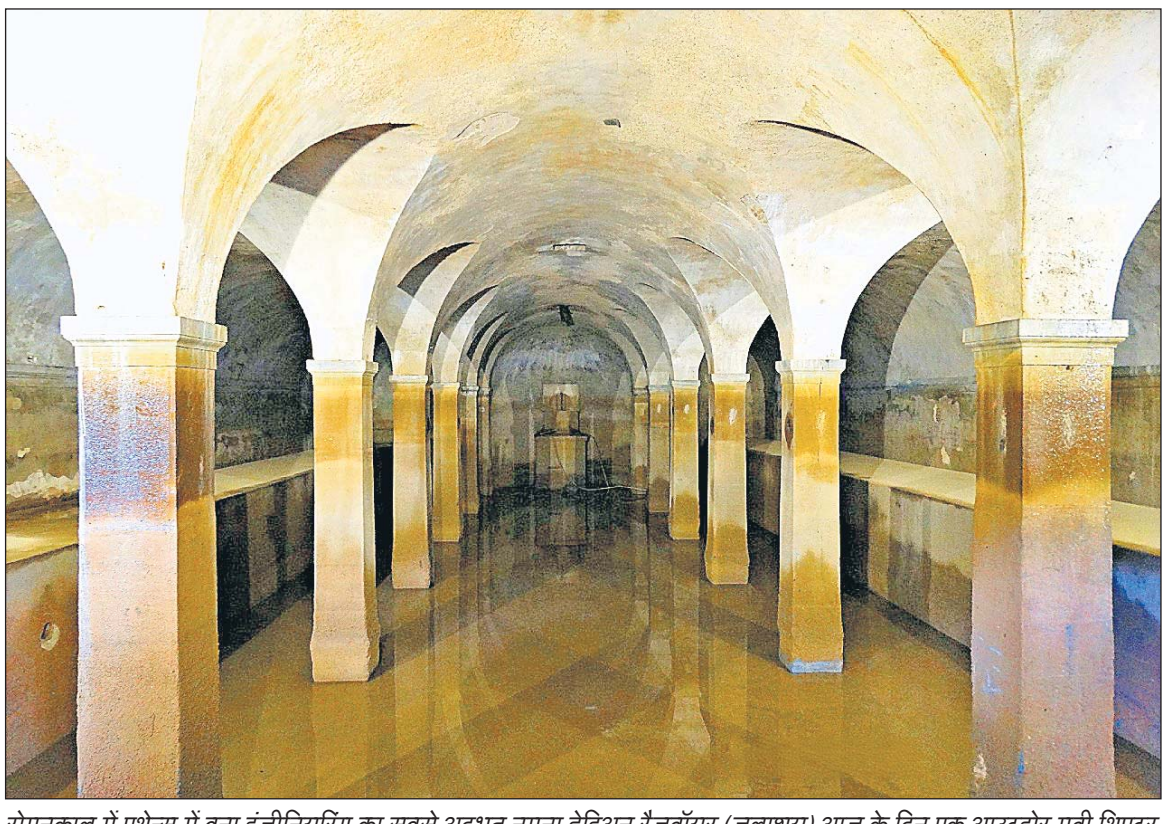

रोमनकाल में एथेन्स में बना इंजीनियरिंग का सबसे अद्भुत नमूना हेड्रिअन रैज़वॉयर (जलाशय) आज के दिन एक आउटडोर मूवी थिएटर के नीचे है। लगभग 2000 साल पुराने इस रैज़वॉयर के ऊपर खुली हवा में बैठकर लोग फिल्म देखते हैं। दूसरी सदी ईसवी में एथेन्स वासियों की बढ़ती हुई पानी की आवश्यकता पूरी करने के लिए, सम्राट हेड्रिअन ने एक जलाशय बनाने का आदेश दिया। इस तरह 125 ईसवी में पानी के परिवहन के लिए एक पाईप-लाइन का निर्माण शुरु हुआ, जो ''माउन्ट परनिथा'' से आरंभ होकर, 12 मील दूर ''माउन्ट लायकाबैटस'' की तलहटी तक जाती थी, जहाँ जलाशय का निर्माण किया गया। इस मानव निर्मित पाईप-लाइन का ज्यादातर हिस्सा भूमिगत सुरंग जैसा था, जिसे ठोस चट्टानों को काटकर बनाया गया था। इसका निर्माण 140 ईसवी में पूरा हो गया था। तब से आज तक यह एथेन्स का सबसे बड़ा इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजैक्ट है। हेड्रिअन रैज़वॉयर, माउन्ट लायकाबैटस के पश्चिमी बेस पर स्थित है। यहाँ से निकलने वाले पाइपों के द्वारा 1000 वर्षों तक उस इलाके के निवासियों की पानी की ज़रुरतें पूरी हुईं। जलाशय, हेड्रिअन और उनके उत्तराधिकारी एन्टोनाइनस पायस को समर्पित था, जिनके शासनकाल में इसका निर्माण कार्य पूरा हुआ था। ऑटोमन साम्राज्य के शासनकाल में, इस जलाशय का परित्याग कर दिया गया था, जिसके कारण अधिकतर निवासियों को कुओं पर निर्भर होना पड़ा। फिर, वर्ष 1847 में जलाशय की पाइपलाइनों का जीर्णोद्धार शुरु हुआ, हालांकि 1929 में ''मैराथन बांध'' बनने के बाद यह जलाशय पानी का मुख्य स्रोत नहीं रहा। वर्तमान में जलाशय से पीने के पानी की सप्लाई नहीं होती है, लेकिन फिर भी जलाशय का थोड़ा सा पानी पाइपलाइन से होते हुए, अंतिम छोर पर एक गंदे नाले में गिरता है। इस स्थान पर अब सीढ़ियों का कुछ भाग तथा दो खंभों की नींव ही बची हुई है। जलाशय के प्रवेश द्वार के ढांचे का एक भाग भी अस्तित्व में है, लेकिन वह ''नेशनल गार्डन'' में रखा हुआ है।

अडानी के शेयरों के निवेशक अपनी गाढ़ी कमाई खो देते हैं तो उसका जिम्मेदार कौन?

राहुल गांधी ने हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट में सेबी अध्यक्ष और अडानी ग्रुप के बीच मिलीभगत के खुलासे के मामले में यह सवाल पूछा

- **राहुल गांधी के पूछा कि सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच पर लगाए गए आरोपों के बाद उन्होंने अभी तक इस्तीफा क्यों नहीं दिया है। इसके अलावा राहुल गांधी ने कहा कि नए और गंभीर आरोपों को देखते हुए क्या सुप्रीम कोर्ट इस मामले में स्वतः संज्ञान लेगा?**
- **राहुल गांधी ने सवाल किया है कि अगर निवेशकों का पैसा डूब जाता है, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा-प्रधानमंत्री मोदी, सेबी की अध्यक्ष माधबी बूच या फिर गौतम अडानी।**
- **राहुल गांधी ने इस मामले में जॉइन्ट पार्लियामैंट्री कमिटी की जांच का जिक्र करते हुये कहा कि ''प्रधानमंत्री मोदी एक जॉइंट पार्लियामैंट्री कमिटी जांच से डरते हैं और इस मामले का खुलासा क्यों नहीं हो रहा है, यह अब स्पष्ट हो चुका है।''**

नई दिल्ली, 11 अगस्त। अमेरिका की शॉर्ट-सेलर कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च की नई रिपोर्ट को लेकर राहुल गांधी ने सरकार को आड़े हाथों लिया है। राहुल गांधी ने एक वीडियो शेयर कर पूछा है कि सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच पर लगाए गए आरोपों के बाद यदि निवेशक अपनी गाढ़ी कमाई खो देते हैं, तो किसे जवाबदेह किसे ठहराया जाएगा? राहुल गांधी इस मामले में राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी, सेबी अध्यक्ष और उद्योगपति गौतम अडानी को भी लपेटा है।

राहुल गांधी के पूछा कि सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच पर लगाए गए आरोपों के बाद उन्होंने अभी तक इस्तीफा क्यों नहीं दिया है। इसके अलावा राहुल गांधी ने कहा कि नए और गंभीर आरोपों को देखते हुए क्या सुप्रीम कोर्ट इस मामले में स्वतः संज्ञान लेगा? इसके साथ ही राहुल गांधी ने सवाल किया है कि अगर निवेशकों का पैसा डूब जाता है, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा-प्रधानमंत्री मोदी, माधबी पुरी बूच या गौतम अडानी।

जॉइंट पार्लियामेंट्री कमिटी की जांच का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी एक जॉइंट पार्लियामेंट्री कमिटी जांच से डरते हैं और इसका खुलासा क्यों नहीं हो रहा है, यह अब स्पष्ट हो चुका है।''

राहुल गांधी के बयान से पहले कांग्रेस ने इस मामले में रविवार को कहा कि सरकार को अडानी ग्रुप की विनायमक द्वारा की गयी जांच में हितों के सभी टकरावों को तत्काल दूर करना चाहिए। कांग्रेस ने इस मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की अपनी मांग भी दोहरायी।

विपक्षी पार्टी ने यह भी कहा कि 'देश के शीर्ष अधिकारियों की कथित मिलीभगत' का समाधान केवल इस 'घोटाले' के पूरे दायरे की जांच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति गठित करके ही किया जा सकता है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सेबी ने उच्चतम न्यायालय के समक्ष मोदी जी के करीबी मित्र अडानी को हिंडनबर्ग के जनवरी 2023 के खुलासों में 'क्लीनचिट' दी थी। उन्होंने कहा कि हालांकि, सेबी प्रमुख से जुड़े ' परस्पर फायदा पहुंचाने' के नए आरोप सामने आए हैं।

खड़गे ने एक्स पर कहा, ''मध्यम वर्ग से संबंधित छोटे और मध्यम निवेशकों, जो अपनी मेहनत की कमाई शेयर बाजार में निवेश करते हैं, को संरक्षित करने की आवश्यकता है, क्योंकि वे सेबी पर विश्वास करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''जब तक इस महा-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'बांग्लादेश के रणनीतिक द्वीप पर नियंत्रण के लिए अमेरिका ने हमें हटाने की साजिश रची'

बांग्लादेश की पूर्व प्र.मंत्री शेख हसीना ने अमेरिका पर बांग्लादेश में तख्तापलट की साजिश रचने के आरोप लगाये

- **'द इकोनॉमिक टाइम्स' को प्राप्त पत्र में लिखा है, अगर मैंने सेंट मार्टिन द्वीप की संप्रभुता को आत्मसमर्पण कर दिया होता और अमेरिका को बंगाल की खाड़ी पर प्रभुत्व रखने की अनुमति दी होती तो मैं सत्ता में बनी रह सकती थी।**
- **गौरतलब है कि शेख हसीना ने पिछली गर्मियों में बिना किसी पार्टी का विवरण दिये कहा था कि बंगलादेश द्वीप को पट्टे (लीज) पर नहीं देगा। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कुछ दिनों बाद कहा कि अमेरिका ने कभी भी द्वीप पर नियंत्रण लेने की योजना का उल्लेख नहीं किया था।**

ढाका, 11 अगस्त (वार्ता) बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने रविवार को प्रकाशित एक पत्र में अमेरिका पर सेंट मार्टिन के रणनीतिक द्वीप की संप्रभुता छोड़ने से इनकार करने के बाद उन्हें हटाने की साजिश रचने का आरोप लगाया है।

'द इकोनॉमिक टाइम्स' को प्राप्त पत्र में लिखा है, अगर मैंने सेंट मार्टिन द्वीप की संप्रभुता को आत्मसमर्पण कर दिया होता और अमेरिका को बंगाल की खाड़ी पर प्रभुत्व रखने की अनुमति दी होती तो मैं सत्ता में बनी रह सकती थी।

सुश्री हसीना ने पिछली गर्मियों में बिना किसी पार्टी का विवरण दिये कहा था कि बंगलादेश द्वीप को पट्टे (लीज) पर नहीं देगा। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कुछ दिनों बाद कहा कि अमेरिका ने कभी भी द्वीप पर नियंत्रण लेने की योजना का उल्लेख नहीं किया था।

हसीना ने कहा कि उन्होंने पद छोड़ने का फैसला किया 'ताकि मुझे शवों का जुलूस न देखना पड़े' और उन्होंने दक्षिण एशियाई राष्ट्र से कट्टरपंथियों के बहकावे में न आने का भी आग्रह किया।

उन्होंने लिखा, अगर मैं देश में रहती, तो और अधिक जानें जातीं, अधिक संसाधन नष्ट हो जाते। मैंने बाहर निकलने का बेहद कठिन निर्णय लिया। हसीना ने आगे कहा कि मैंने इसलिए इस्तीफा दिया ताकि देश में अमन-चैन कायम रहे। मैं नहीं चाहती थी कि वहां पर हिंसा हो। शेख हसीना ने कहा कि वह लोग छात्रों की लाशों पर सत्ता हासिल करना चाहते थे। लेकिन मैंने पहले ही इस्तीफा देकर ऐसी नौबत ही नहीं आने दी। गौरतलब है कि बांग्लादेश में राजनीतिक हालात काफी ज्यादा खराब हैं। पांच अगस्त को छात्रों का विरोध प्रदर्शन तेज हुआ था। यह लोग सरकारी नौकरी में विवादास्पद कोटा सिस्टम खत्म करने की मांग कर रहे थे। इसके बाद बढ़ती हिंसा से डरकर शेख हसीना मिलिट्री एयरक्राफ्ट में सवार होकर भारत पहुंच गईं। फिलहाल वह भारत में ही मौजूद हैं। बांग्लादेश में नोबल विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार चुनी गई है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर मैंने अमेरिका को बंगाल की खाड़ी में अधिकार दे दिए होते तो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हरियाणाः जमीन विवाद में गोलियां चली, 8 घायल

- **हरियाणा के सिरसा में रानियां में नामधारी डेरे की जमीन को लेकर दो गुटों में ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। यह मामला बीते कई दिनों से चल रहा है जो सरकार के लिए भी एक बड़ी चुनौती बन चुका है।**

सिरसा, 11 अगस्त। हरियाणा के सिरसा में रानियां में नामधारी डेरे की जमीन को लेकर दो गुटों में ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। इस घटना में 6 लोग घायल बताए जा रहे हैं, जिन्हें पहले सिरसा के एक अस्पताल में दाखिल करवाया गया लेकिन उनकी गंभीर हालत को देखते हुए सभी को अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रैफर कर दिया गया। सभी की हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं, इस घटना के बाद इलाके में भारी तनाव पैदा हो गया। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कानोता बांध में 5 युवक डूबे, एक साथी बाहर निकला

शास्त्रीनगर और झोटवाड़ा के रहने वाले 6 युवक रविवार शाम कानोता बांध घूमने पहुंचे थे

- **हादसे की सूचना के बाद एस.डी.आर.एफ. और सिविल डिफैंस टीम ने मौके पर पहुंचकर सर्च अभियान शुरू किया, देर रात तक युवकों का कोई अता-पता नहीं चल सका था।**

जयपुर, 11, अगस्त । राजधानी जयपुर के नजदीक कानोता बांध में रविवार शाम 5 युवक डूब गए, जबकि उनका एक साथी सुरक्षित बाहर निकल गया। जानकारी मिलने पर एस.डी.आर.एफ. और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद रैस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। देर रात दो युवकों के शव बाहर निकाल लिये गये, जबकि शेष तीन युवकों की तलाश चलती रहीं। ज्ञात रहे कि तेज बारिश के कारण कानोता बांध में करीब 5 दिन से पानी की चादर चल रही है।

जानकारी के मुताबिक जयपुर के शास्त्रीनगर और झोटवाड़ा के रहने वाले 6 युवक रविवार शाम कानोता बांध घूमने पहुंचे थे। सभी दोस्त नहाने लग गए, तभी एक युवक का पैर पाल पर फिसल गया और वह नीचे गिर गया। इस दौरान अन्य पांच युवक भी पानी में गिर गए। इनमें से एक युवक बाहर निकल आया। हादसे की सूचना मिलने के बाद कानोता थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एस.डी.आर.एफ. और सिविल डिफेंस की टीमों ने मौके पर सर्च की कार्यवाही शुरू की। बस्सी ए.सी.पी. मुकेश चौधरी ने बताया कि रविवार देर रात बांध में डूबे दो युवकों हर्ष नागौरा व अजय माहोर का शव बाहर निकाल लिया गया, जबकि शेष तीन युवकों की तलाश में एस.डी.आर.एफ. और सिविल डिफेंस टीम जुटी रही। बताया जा रहा है कि कानोता बांध में पानी का बहाव तेज होने के कारण टीम को रैस्क्यू में परेशानी आयी।

कानोता पुलिस ने बताया कि बांध में हर्ष नागौरा (20), विनय मीना (22), विवेक माहोर (22), अजय माहोर (22) और हरकेश मीना (24) डूब गए। वहीं, उनका एक साथी राज बृजवासी बच गया। दोस्तों को डूबते हुए देखकर उसने आवाज लगाकर लोगों से मदद मांगी। उनकी तलाश की जा रही है। ज्ञात रहे कि इस बार मानसून की तेज बारिश के कारण कानोता बांध 24 साल में दूसरी बार छलका (ओवरफ्लो हुआ) है। इसकी वजह से यहां रोज बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। लेकिन, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। इसकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी ने फसलों की 109 नई किस्में जारी की

नयी दिल्ली, 11 अगस्त (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को उच्च उपज देने वाली, जलवायु अनुकूल और जैव-सशक्त विभिन्न फसलों की 109 किस्में जारी की।

इस अवसर पर मोदी ने किसानों और वैज्ञानिकों से बातचीत भी की। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर भी मौजूद रहे।

मोदी ने 61 फसलों की 109 किस्में जारी की।

- **प्र.मंत्री मोदी ने 61 फसलों की 109 किस्में जारी की। इनमें 34 खेत की और 27 बागवानी फसलें शामिल हैं।**

इनमें 34 खेत की और 27 बागवानी फसलें शामिल हैं। खेत की फसलों में बाजरा, चारा फसलें, तिलहन, दलहन, गन्ना, कपास, फाइबर और अन्य फसलों सहित विभिन्न अनाजों के बीज जारी किए। बागवानी फसलों में फलों, सब्जियों, बागान फसलों, कंद फसलों, मसालों, फूलों और औषधीय फसलों की विभिन्न किस्में जारी हुई। प्रधानमंत्री ने कहा कि नयी फसल किस्म से कृषि में मूल्य संवर्धन होगा।

उन्होंने मोटे अनाज का उल्लेख किया और कहा कि लोग पोषक खानपान की ओर आकर्षित हो रहे है। श्री मोदी ने प्राकृतिक खेती के लाभों के बारे में बात

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अडानी ग्रुप घोटाले की जांच के लिए जॉइन्ट पार्लियामैंट्री कमेटी जांच की जरूरत है'

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि जब तक इस मामले में अगर जे.पी.सी. जांच नहीं होती है तब तक यह संदेह बना रहेगा कि देश की संवैधानिक संस्थाओं की अस्मिता से समझौता करके मोदी अपने सहयोगियों को बचाते रहेंगे

- **खड़गे ने एक्स पर लिखा, जनवरी 2023 की हिंडनबर्ग रिपोर्ट के खुलासे के बाद सेबी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहयोगी अडानी को उच्चतम न्यायालय में क्लीन चिट दे दी थी। हालांकि, सेबी प्रमुख से जुड़े एक लेन-देन के बारे में नए आरोप सामने आए हैं।**
- **खड़गे ने कहा कि मध्यम वर्ग के छोटे और मध्यम निवेशकों को संरक्षण दिए जाने की जरूरत है क्योंकि वे अपनी मेहनत की कमाई शेयर बाजार में लगाते हैं।**

नई दिल्ली, 11 अगस्त। अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा सेबी की अध्यक्ष माधबी बुच के खिलाफ लगाए गए आरोपों के मद्देनजर कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि इस बड़े घोटाले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जे.पी.सी.) के गठन की जरूरत है। खड़गे ने आरोप लगाया कि जब तक जेपीसी इस मुद्दे की जांच नहीं करती, तब तक यह चिंता बनी रहेगी कि पिछले सात दशकों में कड़ी मेहनत कर बनाई गई भारत की संवैधानिक संस्थाओं से समझौता करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सहयोगी को बचाते रहेंगे। कांग्रेस ने कहा कि सरकार को अडानी समूह की नियामक की जांच में सभी हितों के टकराव को खत्म करने के लिए तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने मामले की संयुक्त संसदीय समिति से जांच कराने की अपनी मांग दोहराई।

खड़गे ने एक्स पर लिखा, जनवरी 2023 की हिंडनबर्ग रिपोर्ट के खुलासे के बाद सेबी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहयोगी अडानी को उच्चतम न्यायालय में क्लीन चिट दे दी थी। हालांकि, सेबी प्रमुख से जुड़े एक लेन-देन के बारे में नए आरोप सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग के छोटे और मध्यम निवेशकों को संरक्षण दिए जाने की जरूरत है क्योंकि वे अपनी मेहनत की कमाई शेयर बाजार में लगाते हैं और उनका सेबी पर भरोसा है। खड़गे ने कहा कि इस बड़े घोटाले की जांच संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से कराना आवश्यक है। कांग्रेस प्रमुख ने कहा, तब तक यह चिंता बनी रहेगी कि पिछले सात दशकों में कड़ी मेहनत कर बनाई गई भारत की संवैधानिक संस्थाओं से समझौता करते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सहयोगी को बचाते रहेंगे।

हिंडनबर्ग ने आरोप लगाया है कि सेबी की अध्यक्ष माधबी बुच और उनके पति के पास कथित अडानी धन हेराफेरी घोटाले में इस्तेमाल किए गए अस्पष्ट विदेशी फंड में हिस्सेदारी थी। हिंडनबर्ग ने अडानी पर अपनी पिछली रिपोर्ट के 18

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंजाबः कार पानी में बही, नौ मरे

होशियारपुर, 11 अगस्त (वार्ता)। पंजाब में होशियारपुर के जैजो गांव की खड्ड में आई बाढ़ में एक इनोवा कार के पानी के बहाव में बह गई जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई, एक बच्चे को बचा लिया गया जबकि एक अभी लापता है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हिमाचल प्रदेश के ऊना जिला के देहला गांव के एक ही परिवार के लोग शादी समारोह में भाग लेने होशियारपुर के महालपुर जा रहे थे। जैजो गांव के पास लगातार हो रही बारिश

- **पंजाब में होशियारपुर के जैजो गांव की खड्ड में आई बाढ़ में एक इनोवा कार के पानी के बहाव में बह गई जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई, एक बच्चे को बचा लिया गया जबकि एक अभी लापता है।**

से बाढ़ आ गई। मौके पर स्थानीय लोगों ने चालक को आगे जाने के लिए मना किया लेकिन चालक ने कार को पानी से निकालने की कोशिश की लेकिन पानी के तेज बहाव में कार बह गई। दीपक भाटिया को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान महालपुर गांव के सुरजीत, परमजीत कौर, सरूप चंद, बिंदर, शिन्नो, भावना (18), अंजू (20) और हरमीत (12) के रुप में की गयी हैं। घटना की सूचना पाकर प्रशासन और पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर लापता की तलाश शुरू कर दी है।